असीम ज्ञान के विद्वान

ज्ञान को आजकल टनों के हिसाब से उछाला जा रहा है। जहां देखो हर व्यक्ति ज्ञानी है। बस! सामने वाले को बांटने तत्पर। अगर कोई असीम भक्ति से भरा भक्त मिल गया तो समझो आपको ज्ञान की मोक्ष गंगा में डुबकी लगाने पर मजबूर करेगा। आपको ज्ञान देकर खुद तरेगा। कहने का मतलब यह है कि कान से मुंह सटाते रहो ज्ञान की गंगा बहाते रहो। वैसे ही एक ज्ञानी हमको मिल गए आज सुबह मॉर्निंग वॉक में। मैं बैठा था तो करीब आकर बैठे। बोले कुछ बातचीत करें। मैं उन्हें मॉर्निंग वॉक पर कई दिनों से देख रहा था। परिचित थे तो मैंने हामी भरी। वे बोले जब ड्रोन नहीं थे तब हम लोग गैस के गुब्बारे में कई तरह के वृक्षों के बीज भरकर छोड़ देते थे और वे काफी दूर, पहाड़ों पर, बियाबानों में फूट जाते और वहां जमीन में पड़कर पौधे फिर वृक्ष बनते रहे। लेकिन आप इतने बूढ़े तो नहीं लगते? क्या मतलब है आपका? यही कि ड्रोन का आविष्कार 1917 में ही हो गया था। हां भारत में आते आते और चालीस साल भी ले लें तब भी। वे खिसियानी बिल्ली की तरह हंस दिए। मैंने कहा आजकल ज्ञान गंगा खूब बह रही है। लोगों ने तर्क को दरकिनार कर बस बोलना, जिसे फेंकना भी कहते हैं, शुरू किया है। कुछ रुककर वे बोले भारत आज और भी ज्यादा प्रगति करता अगर नेहरू की जगह पटेल प्रधानमंत्री होते। उन्हें बनने नहीं दिया गया।मैंने कहा पहला आम चुनाव भारत में कब हुआ था? शायद 1948 में, जब नेहरू प्रधानमंत्री बने थे। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि पहला आम चुनाव 1951,52 में हुआ था, तब नेहरू जी प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए। वही तो। तब सरदार वल्लभ भाई पटेल को चुना जाना था। नेहरू ने तिकड़म लगाई और गणित बिठा कर जीत गए। महान ज्ञानी महोदय। पटेल जी का 1950 में निधन हो गया था। कुछ कहने से पहले तर्क, सत्य और विवेचना भी टटोल लिया करें। मुझे लगा कहां किस बुड़बक के चंगुल में फंस गया हूं। दूर चाय की दुकान पर से दो कप लिए आता छोटू दिखा। मैंने बुड़बक से पूछा चाय पियेंगे? बोला नहीं। 2014 से मैंने चाय छोड़ दी, क्योंकि चाय बेचने वाले को देखता हूं तो अपनी बदहाली के दिन याद आते हैं और मैं उदास हो जाता हूं। छोटू से चाय लेकर मैं पीने लगा। वह फिर शुरू हो गया परिवारवाद के बारे में आपका क्या विचार है। इस देश को कांग्रेस ने जो वंशानुगत गद्दी माना है, सभी एक के बाद एक प्रधानमंत्री बने उन्हीं के लोग, उन्हीं की संतान। आपको यह गलत नहीं लगा? जब तक नेहरू प्रधानमंत्री थे तब तक इंदिरा गांधी किसी भी सदन की सदस्या नहीं थी। नेहरू के निधन के बाद प्रधानमंत्री बने लालबहादुर शास्त्री। फिर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजनीति में उनका बेटा राजीव जो पायलट था, राजनीति से कोई संबंध नहीं था, उसे पी एम बनाया गया। फिर उनके बाद सोनिया बन सकती थीं पर पी वी नरसिंह राव, फिर मनमोहन सिंह को पी एम बनाया गया। इसमें भी आप राजनीति कहेंगे तो? क्या फिलहाल सरकार में परिवारवाद है? बोलिए। किसी भी सांसद का बेटा अपने पिता के पद का फायदा उठा रहा है?क्यों नहीं? किसानों को जीप से कुचलने वाला एक सांसद का सुपुत्र था। गृहमंत्री का सुपुत्र न क्रिकेट खेलना जानता है, उसे न अंग्रेजी आती है, न हिंदी, बीसीसीआई का चेयरमैन बन हुआ है या नहीं? ऐसे कई हैं, मैंने तो चंद उदाहरण दिए हैं। छोटू बोला भैया! चलिए चलते हैं। धूप तेज हो रही है।

हर्षोल्लास से मनाया गया हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा उत्सव

महू(इंदौर समाचार) हिंदू नववर्ष (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर कोतवाली चौक पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत माता का पूजन कर नागरिकों को अक्षांध चंदन तिलक लगाया गया एवं गुड़-धनिया का प्रसाद और शीतल पेय वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जानापाव मंदिर के ट्रस्टी एवं सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, इंदौर के प्रमुख समाजसेवी अनिल महेश्वरी, पूर्व पार्षद जितेंद्र शर्मा पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती रीता उपमन्यु, केंट बोर्ड के पूर्व नामांकित सदस्य शिव शर्मा एडवोकेट विक्रम दुबे इंदौर विजयवर्गीय समाज के हरीश विजयवर्गीय संतोष पाटीदार जीतू वर्मा शेखर बुंदेला मनोज ठाकुर मोहन रघुवंशी शैलेंद्र शुक्ला जीतमल वर्मा सिद्धेश्वर माथुर अमित सैनी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। भाजपा के वरिष्ठ नेता, अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय मंत्री, विप्र फाउंडेशन के प्रतिनिधि, रोटरी क्लब एवं अन्य संगठनों के प्रमुख सदस्यों ने भी इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक पूर्व पार्षद जितेंद्र शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उपस्थित धर्मप्रेमी नागरिकों एवं मार्ग से गुजरने वाले लोगों को अक्षांध तिलक लगाया गया और प्रसाद वितरित किया गया।

हिंदू नववर्ष का महत्व इस अवसर पर श्री शर्मा ने हिंदू नववर्ष के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि इस दिन सृष्टि की रचना हुई थी, भगवान राम और युधिष्ठिर का राज्याभिषेक हुआ था तथा महर्षि दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की थी। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिवस भी इसी दिन आता है। कृषि प्रधान भारतीय संस्कृति में इस दिन को विशेष रूप से नव आरंभ का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों–मुस्लिम समाज, बौहरा समाज, सिख समाज, पारसी समाज–के लोगों ने भी शिरकत कर शुभकामनाएं दीं, जिससे सामाजिक सद्भावना का संदेश प्रसारित हुआ। इस आयोजन में वरिष्ठसमाजसेवियों, व्यापारियों, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की विशेष भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन रूपनारायण सोनेरे ने किया एवं आभार हिमांशु बंसल ने व्यक्त किया।

बोहरा समाज की ईद मनाई गई

अपने अंदर बैठे रावण को भी मारें

इंदौर। दुर्लभ मनुष्य जीवन की धन्यता यही होगी कि हम प्रतिदिन, प्रतिपल भगवान से प्रार्थना करें कि वे हमें ऐसी दृष्टि प्रदान करें कि हम राम, लक्ष्मण, जानकी और हनुमानजी के नित्य दर्शन की अनुभूति कर सकें। जब तक हम अपने अंदर बैठे रावण को नहीं मारेंगे, तब तक इस कथा श्रवण की सार्थकता नहीं होगी। प्रभु राम ने उस रावण को तो मार दिया, लेकिन हमारे अंदर का रावण आज भी जिंदा है। हम अपने मन को जिस दिन चित्रकूट बना लेंगे, हमें हनुमानजी के साथ राम, लक्ष्मण और जानकी के दर्शन भी होते रहेंगे। पं.सत्यनारायण सत्तन ने पंचकुइया स्थित दास बगीची पर हम्माल कालोनी युवा संगठन एवं नवग्रह शनिधाम के तत्वावधान में आयोजित श्रीराम हनुमान चरित्र महोत्सव के सात दिवसीय दिव्य अनुष्ठान के समापन प्रसंग पर उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। हंसदास मठ के महामंडलेश्वर हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज, महंत राजनाथ योगी के सानिध्य एवं सांसद शंकर लालवानी, विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, गोपीकृष्ण नेमा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव के आतिथ्य में संयोजक धर्मेश यादव, श्रवण चावड़ा, उज्जैन वि.वि. छात्र संघ के अध्यक्ष सिद्धार्थ यादव, अशोक चौहान चांदू, सुरेन्द्र वाजपेयी, जितेन्द्र सोनी, सचिन सांखला तथा भावेश दवे ने पं. सत्तन का सम्मान किया। मुख्य पुजारी पं. देवेन्द्र तिवारी तथा कार्यक्रम संयोजक धर्मेश यादव को भी हम्माल कालोनी युवा संगठन के सदस्यों ने सम्मानित किया।

शिव प्रकाश एवं अर्जुन राम मेघवाल इन्दौर पहुंचे

इन्दौर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश एवं केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल आज अल्प प्रवास पर इंदौर आएं। विमानतल पर इन्दौर भाजपा के नेताओं ने उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर इंदौर सांसद शंकर लालवानी, जिला भाजपा अध्यक्ष श्रवण चावड़ा , नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पूर्व नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे सहित भाजपा परिवार के अनेक नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

30 मार्च को मालवा मिल से लेकर पाटनीपुरा तक का रास्ता बंद कर दिया गया है क्योंकि मालवा मिल से पाटनीपुरा के बीच में जो वर्षों पुराना पुल है वह उसका नवीनीकरण किया जा रहा है जो कि कुछ दिनों तक रास्ता बंद रहेगा यह जानकारी मीडिया प्रभारी सुरेश वानखेड़े द्वारा दी गई

श्री महालक्ष्मी उपासना मंडल पर 8 दिवसीय वासंतिक नवरात्र शुरू

पहले दिन श्रीगणेश पूजन, पुण्याह वाचन, मातृका पूजन हुआ

इंदौर। उप डाकघर मार्ग स्थित श्री महालक्ष्मी उपासना मंडल में श्रीसूक्त अभिषेक के साथ 8 दिवसीय श्री वासंतिक नवरात्र उत्सव की शुरुआत हो गई। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि पहले दिन श्रीसूक्त अभिषेक, पुण्याह वाचन मातृका पूजन और नांदी श्राध हुआ। शुरूआत श्री गणेश पूजन से हुई। संस्था अध्यक्ष वसंत नारायण मोघे और सचिव दिनेश चांदोरकर ने बताया कि इस वर्ष कोल्हापुरवासिनी श्री महालक्ष्मी का 80वा स्थापना दिवस भी मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में वेदमूर्ति धनजय शास्त्री वैद्य के प्रवचन हो रहे है। श्रीनाथ मंदिर संस्थान के सचिव संजय गो. नाम जोशी पहले दिन वेदमूर्ति शास्त्री ने कहा कि श्रीदुर्गा सप्तशती का पाठ करने से मनुष्य को कष्टों से मुक्ति मिलती है। अतिथि स्वागत जयंत डिके,उल्हास गुर्जर, आरोही पंडित, अनिल चांदोरकर और संतोष आठले ने किया।

श्री परशुराम महासभा की महिलाओं ने सोलह श्रृंगार में सज-धजकर राजेन्द्र नगर में निकाला गणगौर बाना

इंदौर। परशुराम महासभा महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रविवार को राजेन्द्र नगर के परशुराम चौक से बैंड-बाजों, घोड़े-बग्घी, भजन एवं गरबा मंडलियों सहित गणगौर का भव्य बाना निकाला गया, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पुन: परशुराम चौक पर समाप्त हुआ। सोलह श्रृंगार में सजी-धजी महिलाएं गणगौर को मस्तक पर धारण कर नाचते-गाते हुए इस बाने में शामिल हुईं। मार्ग में अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा कर बाने का स्वागत किया गया। महासभा के प्रदेश प्रभारी पं. संजय मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष पं. गोविंद मिश्रा एवं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती पूनम संजय मिश्रा ने बताया कि एक हजार से अधिक महिलाओं और 500 से पुरुषों सहित इस गणगौर बाने में महिलाएं सोलह श्रृंगार में सज-धजकर गणगौर के गीतों पर नाचते-गाते हुए शामिल हुईं। मार्ग में अनेक स्थानों पर फूलों की वर्षा कर बाने का स्वागत किया गया तो अनेक स्थानों पर फलाहार एवं अन्य शीतलपेय परोसकर महिलाओं का स्वागत हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक अश्विन जोशी की पत्नी श्रीमती पिंकी जोशी, विधायक गोलू शुक्ला, पार्षद अभिषेक शर्मा बबलू, पार्षद प्रशांत बड़वे, युवा वाहिनी अध्यक्ष अनिरुद्ध शर्मा, गणेश शास्त्री, जितेन्द्र व्यास तथा मातृशक्ति में मोनिका शर्मा, मोनिका दुबे, रिंकू तिवारी, पायल शर्मा, दीपिका शर्मा, रश्मि पुरोहित, शीतल शर्मा, निहारिका शर्मा, डाली जोशी, माधवी दिजारे, अर्चना शाह, अर्चना चतुर्वेदी, शक्ति सुधा शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज एवं राजेन्द्र नगर क्षेत्र की महिलाएं गणगौर के दोहे एवं छंद गाते शामिल हुईं। माधुर्य भोज के साथ समापन हुआ। अंत में श्रीमती पूनम संजय मिश्रा ने आभार माना।

असीम ज्ञान के विद्वान?

ज्ञान को आजकल टनों के हिसाब से उछाला जा रहा है। जहां देखो हर व्यक्ति ज्ञानी है। बस! सामने वाले को बांटने तत्पर। अगर कोई असीम भक्ति से भरा भक्त मिल गया तो समझो आपको ज्ञान की मोक्ष गंगा में डुबकी लगाने पर मजबूर करेगा। आपको ज्ञान देकर खुद तरेगा। कहने का मतलब यह है कि कान से मुंह सटाते रहो ज्ञान की गंगा बहाते रहो। वैसे ही एक ज्ञानी हमको मिल गए आज सुबह मॉर्निंग वॉक में। मैं बैठा था तो करीब आकर बैठे। बोले कुछ बातचीत करें। मैं उन्हें मॉर्निंग वॉक पर कई दिनों से देख रहा था। परिचित थे तो मैंने हामी भरी। वे बोले जब ड्रोन नहीं थे तब हम लोग गैस के गुब्बारे में कई तरह के वृक्षों के बीज भरकर छोड़ देते थे और वे काफी दूर, पहाड़ों पर, बियाबानों में फूट जाते और वहां जमीन में पड़कर पौधे फिर वृक्ष बनते रहे। लेकिन आप इतने बूढ़े तो नहीं लगते? क्या मतलब है आपका? यही कि ड्रोन का आविष्कार 1917 में ही हो गया था। हां भारत में आते आते और चालीस साल भी ले लें तब भी। वे खिसियानी बिल्ली की तरह हंस दिए। मैंने कहा आजकल ज्ञान गंगा खूब बह रही है। लोगों ने तर्क को दरकिनार कर बस बोलना, जिसे फेंकना भी कहते हैं, शुरू किया है। कुछ रुककर वे बोले भारत आज और भी ज्यादा प्रगति करता अगर नेहरू की जगह पटेल प्रधानमंत्री होते। उन्हें बनने नहीं दिया गया। मैंने कहा पहला आम चुनाव भारत में कब हुआ था? शायद 1948 में, जब नेहरू प्रधानमंत्री बने थे। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि पहला आम चुनाव 1951,52 में हुआ था, तब नेहरू जी प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए। वही तो। तब सरदार वल्लभ भाई पटेल को चुना जाना था। नेहरू ने तिकड़म लगाई और गणित बिठा कर जीत गए। महान ज्ञानी महोदय। पटेल जी का 1950 में निधन हो गया था। कुछ कहने से पहले तर्क, सत्य और विवेचना भी टटोल लिया करें।मुझे लगा कहां किस बुड़बक के चंगुल में फंस गया हूं। दूर चाय की दुकान पर से दो कप लिए आता छोटू दिखा। मैंने बुड़बक से पूछा चाय पियेंगे? बोला नहीं। 2014 से मैंने चाय छोड़ दी, क्योंकि चाय बेचने वाले को देखता हूं तो अपनी बदहाली के दिन याद आते हैं और मैं उदास हो जाता हूं। टू से चाय लेकर मैं पीने लगा। वह फिर शुरू हो गया परिवारवाद के बारे में आपका क्या विचार है। इस देश को कांग्रेस ने जो वंशानुगत गद्दी माना है, सभी एक के बाद एक प्रधानमंत्री बने उन्हीं के लोग, उन्हीं की संतान। आपको यह गलत नहीं लगा? जब तक नेहरू प्रधानमंत्री थे तब तक इंदिरा गांधी किसी भी सदन की सदस्या नहीं थी। नेहरू के निधन के बाद प्रधानमंत्री बने लालबहादुर शास्त्री। फिर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजनीति में उनका बेटा राजीव जो पायलट था, राजनीति से कोई संबंध नहीं था, उसे पी एम बनाया गया। फिर उनके बाद सोनिया बन सकती थीं पर पी वी नरसिंह राव, फिर मनमोहन सिंह को पी एम बनाया गया। इसमें भी आप राजनीति कहेंगे तो? क्या फिलहाल सरकार में परिवारवाद है? बोलिए। किसी भी सांसद का बेटा अपने पिता के पद का फायदा उठा रहा है? क्यों नहीं? किसानों को जीप से कुचलने वाला एक सांसद का सुपुत्र था। गृहमंत्री का सुपुत्र न क्रिकेट खेलना जानता है, उसे न अंग्रेजी आती है, न हिंदी, बीसीसीआई का चेयरमैन बन हुआ है या नहीं? ऐसे कई हैं, मैंने तो चंद उदाहरण दिए हैं। छोटू बोला भैया! चलिए चलते हैं। धूप तेज हो रही है।